



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 102]

नई दिल्ली शनिवार, मार्च 26, 1983/चैत्र 5, 1905

No. 102] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1983/CHAITRA 5, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 मार्च, 1983

सां०का०नि० 283 (अ).—खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिये नियमों का एक प्रारूप खाद्य अपमिश्रण निवारण अधिनियम, 1954 (1954 का 39) की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा तथा अपेक्षित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) का अधिसूचना सं० सां०का०नि० 156 तारीख 30 जनवरी, 1982 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (i), तारीख 13 फरवरी, 1982 (पृष्ठ 163—466) पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से जिसमें उस राजपत्र की, जिसमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, प्रतिया जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, तबसे दिन की समाप्ति पर या उसके पश्चात् उन सभी व्यक्तियों में आशेष और मुझाव मांगे गए थे, जिनके उसमें प्रभावित होने की संभावना है।

और उक्त राजपत्र की प्रतिया 13 फरवरी, 1982 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार ने प्राप्ति नियमों की बाबत जनता से प्राप्त आशेषों और मुझावों पर विचार कर लिया है,

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 23 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय खाद्य मानक समिति से परामर्श करने के पश्चात् खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम खाद्य अपमिश्रण निवारण (चतुर्थ संशोधन) नियम 1983 है।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे, सिवाय नियम 4 के, जो अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के पश्चात् प्रवृत्त होगा।

2. खाद्य अपमिश्रण निवारण नियम, 1955 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 36 में निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायगा, अर्थात् :—

“परन्तु 25 वर्ग से०मी० से अनधिक क्षेत्रवाली घोषणा में प्रयुक्त टाप की ऊंचाई 1.0 मि०मी० से कम नहीं होगी।”

3. उक्त नियम के नियम 37-क में स्पष्टीकरण में पूर्व निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायगा, अर्थात् :—

“परन्तु कृत्रिम मृत्तिकाकारक पदार्थों के लेबल पर मृत्तिका के रासायनिक नाम की इस नियम के अधीन घोषणा आवश्यक नहीं है। प्राकृतिक मृत्तिकाकारक पदार्थों या प्रकृति समरूप पदार्थों की दशा में मृत्तिका का सामान्य नाम लेबल पर वर्णित होगा।”

1. उक्त नियम के नियम 48-ख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“48ग—खाद्य योज्यों का विक्रय : कृत्रिम खाद्यों में प्रयोग के लिए अनुज्ञात निम्नलिखित खाद्य योज्यों का विक्रय, केवल भारतीय मानक संस्था प्रमाणित चिन्ह के अधीन ही किया जाएगा, अर्थात् :—

1. गल्पयुक्त अम्ल	(खाद्य श्रेणी)
2. नोडियम प्रोपियोनेट	,
3. कैल्शियम प्रोपियोनेट	,
4. सोबिट अम्ल	,
5. पोटेशियम मैटाबाईसल्फाइट	,
6. सोडियम मैटाबाईसल्फाइट	,
7. सोबिटाल	,
8. बेंजोइक अम्ल	,
9. साइट्रिक बेंजाएट	,
10. फमोयिक अम्ल	,
11. साइट्रिक कार्बोक्सिमैथिल सेलुलोन	,
12. सोडियम एलिगनेट	,
13. एगार एगार	,
14. एलिगनिक एमिड	,
15. कैल्शियम एलिगनेट	,
16. त्रिलेटिन	,
17. एस्कोबिक अम्ल	,
18. ब्यूटाइलेटेड हाईड्रोक्सी टोयून (बी एच टी)	,
19. ब्यूटाइलेटेड हाईड्रोक्सी एनीसोल (बी एच ए०)	,
20. कैरेमन	,
21. एन्नेटोक्लर	,

5 उक्त नियमों के नियम 59 के प्रथम परन्तुक की मद 10 के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी अर्थात् :—

“टटियरी ब्यूटाइल्हाइड्रोक्सीनोन (टी बी एच क्यू)—0.02 प्रतिशत”

6. उक्त नियमों के नियम 62 के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“62-क. खाद्य तेल और वसा में क्षाग को दूर करनेवाले कारक :—भारी वसा तलने के लिये खाद्य तेल और वसा में एक भाग प्रतिलाख तक की अधिकतम सीमा तक क्षाग दूर करने के लिए डाइमेथिल पोलिमिनोक्सेन खाद्य श्रेणी का प्रयोग किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण : इस नियम के प्रयोजन के लिये “क्षाग दूर करने वाले कारक” से ऐसा पदार्थ अभिप्रेत है जो गर्म करने के दौरान क्षागकारक परिवर्तनों और क्षागक्षिक्य को कम करता हो।”

भाग XIII—मृत्तिकाकारक में,—

(i) उक्त नियमों के नियम 63 को नियम 63क के रूप में पुनः संख्यांकित किया जायेगा और उस प्रकार पुनः संख्यांकित नियम 63क के पूर्व निम्नलिखित नियम अन्तःस्थापित किया जायगा, अर्थात् :—

“63 मृत्तिकाकारक : मृत्तिकाकारक के अन्तर्गत मृत्तिका पदार्थ, मृत्तिका मत्त या मृत्तिका निमित्तिया जो खाद्य हो मृत्तिकागुण धर्म अर्थात् स्वाद गन्ध या दोनों देने में सक्षम हो। मृत्तिकाकारक निम्नलिखित तीन प्रकार के हो सकते हैं—

(क) प्राकृतिक पुरावक और प्राकृतिक मृत्तिका पदार्थ मानवीय उपभोग के लिये स्वीकार्य क्रमशः ऐसी मृत्तिका निमित्तियाँ और एकल पदार्थ हैं, जो वसर्गपति, यदाकदा पशु, कच्ची सामग्री में, चाहे वह अपनी प्राकृतिक या प्रसंस्कृत अवस्था में हों, मानवीय उपभोग के लिये श्रगज प्रक्रियाओं द्वारा आत्यन्तिक रूप में निकाले गए हैं।

(ख) प्रकृति समरूप मृत्तिकाकारक पदार्थ :—

प्रकृति समरूप मृत्तिकाकारक पदार्थ वे पदार्थ हैं जो ऐरोमैटिक कच्ची सामग्री से रासायनिक रूप से विलग किए गए हैं या संश्लेषात्मक रूप से प्राप्त किए गये हैं, वे मानवीय उपभोग के लिए आशयित प्राकृतिक उत्पादों में विद्यमान पदार्थों के रासायनिक रूप से समरूप हैं, चाहे वे प्रसंस्कृत हों या नहीं।

(ग) कृत्रिम मृत्तिकाकारक पदार्थ :—

कृत्रिम मृत्तिकाकारक पदार्थ वे पदार्थ हैं, जिनकी मानवीय उपभोग के लिये आशयित प्राकृतिक उत्पादों में पहचान नहीं की गई है चाहे वे प्रसंस्कृत हों या नहीं।

8. उक्त निगम के भाग Xiii के पश्चात् निम्नलिखित भाग अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“भाग Xiiiक—खाद्य योज्यों का आगे ले जाना।

“64क खाद्य योज्यों का आगे ले जाना—

(1) परिशिष्ट ख में विनिर्दिष्ट सातकों के प्रयोजन के लिए “आगे ले जाना” सिद्धांत खाद्य में योज्यों की विद्यमानता ऐसे रंगों, मुख्तियारकों, अनाकसी कारकों, प्रतिपण्डकारकों, पायसी और स्थायी कारकों और परिरक्षकों का लागू होता है, जो ऐसी कच्ची सामग्री या अन्य संघटकों के, जो इन योज्यों में प्रयुक्त हुए थे, उपयोग का परिणाम हैं। इस प्रयोजन के अन्तर्गत संघटकों की विद्यमानता नहीं है।

(2) खाद्य में योज्यों की विद्यमानता को लागू आगे ले जाने वाला सिद्धांत साधारणतया तब तक अनुज्ञेय है जब तक कि इन विशयों में या परिशिष्ट ख में अन्यथा विनिर्दिष्टतः प्रतिषिद्धि न हो परन्तु यह कि कूल योज्यों जिनके अन्तर्गत कच्ची सामग्री या अन्य संघटकों के साधन से खाद्य योज्यों को आगे ले जाना है, इस प्रकार अनुज्ञात अधिकतम मात्रा से अधिक न हो।”

[नं. गो. 15014/10/80-ए.ए.च. (एफ. एंड. एच. पी. एफ. ए.)]

एस. के. नुद्दाकर, सयुक्त सचिव

टिप्पण : खाद्य अमिश्रण निवारण नियम, 1955 मूल नियम पहली बार भारत सरकार के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 उपखंड (1) में ता. नि. गो. तारीख 12-9-1955 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्चात् उनका निम्नलिखित द्वारा संशोधन किया गया :—

1. सांकांति.सं. 425 तारीख 4-1-1964
2. सांकांति.सं. 1134 तारीख 16-9-1961
3. सांकांति.सं. 1589 तारीख 22-10-1964
4. सांकांति.सं. 1811 तारीख 11-12-1965
5. सांकांति.सं. 74 तारीख 8-1-1966
6. सांकांति.सं. 382 तारीख 19-3-1966
7. सांकांति.सं. 1256 तारीख 26-8-1967
8. सांकांति.सं. 1533 तारीख 24-8-1968
9. सांकांति.सं. 2163 तारीख 14-1-1968
10. सांकांति.सं. 532 तारीख 8-3-1969
11. सांकांति.सं. 1764 तारीख 26-7-1969
12. सांकांति.सं. 2068 तारीख 30-8-1969
13. सांकांति.सं. 1809 तारीख 24-10-1970
14. सांकांति.सं. 938 तारीख 12-6-1971
15. सांकांति.सं. 992 तारीख 3-7-1971
16. सांकांति.सं. 553 तारीख 6-5-1972
17. सांकांति.सं. 133 तारीख 10-2-1973
18. सांकांति.सं. 205 तारीख 23-2-1974

19. सांकांति.सं. 850 तारीख 12-7-1975
20. सांकांति.सं. 508 (अ) तारीख 27-9-1975
21. सांकांति.सं. 63(अ) तारीख 5-2-1976
22. सांकांति.सं. 754 तारीख 29-5-1976
23. सांकांति.सं. 856 तारीख 12-6-1976
24. सांकांति.सं. 1417 तारीख 2-10-1976
25. सांकांति.सं. 4(अ) तारीख 4-1-1977
26. सांकांति.सं. 28(अ) तारीख 15-1-1977
27. सांकांति.सं. 651(अ) तारीख 22-10-1977
28. सांकांति.सं. 732(अ) तारीख 5-12-1977
29. सांकांति.सं. 775(अ) तारीख 27-12-1977
30. सांकांति.सं. 36(अ) तारीख 21-1-1978
31. सांकांति.सं. 70(अ) तारीख 8-2-1978
32. सांकांति.सं. 238(अ) तारीख 20-4-1978
33. सांकांति.सं. 393(अ) तारीख 4-8-1978
34. सांकांति.सं. 590(अ) तारीख 23-12-1978
35. सांकांति.सं. 55 (अ) तारीख 31-1-1979
36. सांकांति.सं. 231(अ) तारीख 6-4-1979
37. सांकांति.सं. 19(अ) तारीख 28-1-1980
38. सांकांति.सं. 243 तारीख 1-3-1980
39. सांकांति.सं. 244 तारीख 1-3-1980
40. सांकांति.सं. 579(अ) तारीख 13-10-1980
41. सांकांति.सं. 652(अ) तारीख 4-11-1980
42. सांकांति.सं. 710(अ) तारीख 22-12-1980
43. सांकांति.सं. 23(अ) तारीख 16-1-1981
44. सांकांति.सं. 290(अ) तारीख 15-4-1981
45. सांकांति.सं. 503(अ) तारीख 1-9-1981
46. सांकांति.सं. 44(अ) तारीख 5-2-1982
47. सांकांति.सं. 57(अ) तारीख 11-2-1982
48. सांकांति.सं. 245(अ) तारीख 11-3-1982
49. सांकांति.सं. 422(अ) तारीख 24-5-1982
50. सांकांति.सं. 47(अ) तारीख 29-6-1982

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th March, 1983

G.S.R. 283(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were published as required by Sub-section (1) of section 23 of the Prevention of Food Adulteration Act, 1954 (37 of 1954), with the notification of Government of India in the Ministry of Health and

Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 156, dated the 30th January, 1982, published in the Gazette of India, Part II, section 3, sub-section (i) dated the 13th February, 1982 (at pages 463—466) inviting objections and suggestions from all the persons likely to be affected thereby on or after the expiry of ninety days from the date on which copies of the Gazette of India in which the said notification was published were made available to the public ;

And whereas, the copies of the said Gazette were made available to the public on the 13th February, 1982 and whereas the objections and suggestions received from the public on the draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 23 of the said Act the Central Government after consultation with the Central Committee for Food Standards, hereby makes the following rules, further to amend the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955, namely :—

RULES

1. (1) These rules may be called the Prevention of Food Adulteration (Fourth Amendment) Rules, 1983,

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette except rule 4 which shall come into force after a period of two years from the date of publication of the notification.

2. In the Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 (hereinafter referred to as the said rules) to rule 36, the following proviso shall be added, namely :

“Provided that the height of the types used in the declaration having an area not greater than 25 square centimeters, shall not be less than 1.0 mm”.

3. To rule 37-A of the said rules, before the Explanation, the following proviso shall be added, namely :

“Provided that the labels of artificial flavouring substances may not declare the chemical names of flavours under this rule. In case of natural flavouring substances or nature-identical flavouring substances, the common name of flavour shall be mentioned on the label.”

4. After rule 48-B of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“48-C—Sale of Food Additives :—The following food additives permitted for use in certain foods shall be sold only under the Indian

Standards Institution Certification marks, namely :—

1. Sulphuric acid (Food Grades)
2. Sodium propionate (Food Grade)
3. Calcium propionate (Food Grade)
4. Sorbic acid (Food Grade)
5. Potassium metabisulphite (Food Grade)
6. Sodium metabisulphite (Food Grade)
7. Sorbitol (Food Grade)
8. Benzoic acid (Food Grade)
9. Sodium benzoate (Food Grade)
10. Fumaric acid (Food Grade)
11. Sodium carboxymethyl cellulose (Food Grade)
12. Sodium alginate (Food Grade)
13. Agar Agar (Food Grade)
14. Alginic acid (Food Grade)
15. Calcium alginate (Food Grade)
16. Gelatin (Food Grade)
17. Ascorbic acid (Food Grade)
18. Butylated Hydroxy Toluene (B H T) (Food Grade)
19. Butylated Hydroxy Anisole (B H A) (Food Grade)
20. Caramel (Food Grade)
21. Annatto colour.” (Food Grade)

5. In rule 59 of the said rules, after item 10 of the first proviso, the following item shall be inserted, namely :—

“Tertiary butyl hydro quinone (TBHQ)—0.02 per cent.”

6. After rule 62 of the said rules, the following rule shall be inserted, namely :—

“63-A—Antifoaming agents in edible oils and fats:—Dimethyl Polysiloxane, food grade, may be used as an antifoaming agent in edible oils and fats for deep fat frying upto a maximum limit of 10 parts per million.”

Explanation :—For the purpose of this rule, “Anti-foaming agent means substance which retards deteriorative changes and foaming height during heating.”

7. In part XIII—Flavouring Agents :—

(i) Rule 63 to the said rules shall be renumbered as rule 63-A, and before rule 63-A as so renumbered, the following rule shall be inserted, namely :—

“63 —Flavouring agents :—Flavouring agents include flavour substances, flavour extracts or

flavour preparations, which are capable of imparting flavouring properties, namely taste or odour or both to food. Flavouring agents may be of following three types :—

(A) Natural Flavours and Natural Flavouring Substances :

“Natural flavours” and “Natural flavouring substances” are flavour preparations and single substance respectively, acceptable for human consumption, obtained exclusively by physical processes from vegetable, sometimes animal raw materials either in their natural state or processed, for human consumption.

(B) Nature Identical Flavouring Substances :—

Nature-identical flavouring substances are substances chemically isolated from aromatic raw materials or obtained synthetically; they are chemically identical to substances present in natural products intended for human consumption, either processed or not.

(C) Artificial Flavouring Substances :—

Artificial flavouring substances are those substances which have not been identified in natural products intended for human consumption either processed or not.”

8. After Part XIII of the said rules, the following Part shall be inserted, namely :—

“Part XIII A—Carry over of Food Additive
64—C—Carry over of Food Additives :—

- (1) For the purpose of the standards specified in Appendix B, the “Carry Over” principle applied to the presence of additives such as colours, flavouring agents, antioxidants, anti-caking agents, emulsifying and stabilizing agents and preservative in food, as a result of the use of raw material or other ingredients in which these additives were used. The presence of contaminants is not covered by this purpose.
- (2) The presence of an additive in food through the application of the carry over principle is admissible in general unless otherwise specifically prohibited in the rules or in Appendix B provided the total additive including the carry over through the raw material or other ingredients does not exceed the maximum amount so permitted.”

[No. P. 15014/10/80-P.H. (F&N) PEA]
S.K. SUDHAKAR, Jt. Secy.

NOTE :—Principle rules of Prevention of Food Adulteration Rules, 1955 were first published in Government of India Gazette, Part II, Section (3), Sub-section (i) vide S.R.O. 2106 dated 12-9-1955 and subsequently amended as follows :—

1. G.S.R. No. 425 Dated 4-4-1960
2. G.S.R. No. 1134 Dated 16-9-1961
3. G.S.R. No. 1589 Dated 22-10-1964
4. G.S.R. No. 1814 Dated 11-12-1965
5. G.S.R. No. 74 Dated 8-1-1966
6. G.S.R. No. 382 Dated 19-3-1966
7. G.S.R. No. 1256 Dated 26-8-1967
8. G.S.R. No. 1533 Dated 24-8-1968
9. G.S.R. No. 2163 Dated 14-12-1968
10. G.S.R. No. 532 Dated 8-3-1969
11. G.S.R. No. 1764 Dated 26-7-1969
12. G.S.R. No. 2068 Dated 30-8-1969
13. G.S.R. No. 1809 Dated 24-10-1970
14. G.S.R. No. 938 Dated 12-6-1971
15. G.S.R. No. 992 Dated 3-7-1971
16. G.S.R. No. 553 Dated 6-5-1972
17. G.S.R. No. 133 Dated 10-2-1973
18. G.S.R. No. 205 Dated 23-2-1974
19. G.S.R. No. 850 Dated 12-7-1975
20. G.S.R. No. 508 (E) Dated 27-9-1975
21. G.S.R. No. 63(E) Dated 5-2-1976
22. G.S.R. No. 754 dated 29-5-1976
23. G.S.R. No. 856 Dated 12-6-1976
24. G.S.R. No. 1417 Dated 2-10-1976
25. G.S.R. No. 4(E) Dated 4-1-1977
26. G.S.R. No. 18 (E) Dated 15-1-1977
27. G.S.R. No. 651 (E) Dated 22-10-1977
28. G.S.R. No. 732 (E) Dated 5-12-1977
29. G.S.R. No. 775 (E) Dated 27-12-1977
30. G.S.R. No. 36(E) Dated 21-1-1978
31. G.S.R. No. 70(E) Dated 8-2-1978
32. G.S.R. No. 238 (E) Dated 20-4-1978
33. G.S.R. No. 393 (E) Dated 4-8-1978
34. G.S.R. No. 590 (E) Dated 23-12-1978
35. G.S.R. No. 55(E) Dated 31-1-1979
36. G.S.R. No. 231(E) Dated 6-4-1979
37. G.S.R. No. 19(E) Dated 28-1-1980
38. G.S.R. No. 243 Dated 1-3-1980
39. G.S.R. No. 244 Dated 1-3-1980
40. G.S.R. No. 579 (E) Dated 13-10-1980
41. G.S.R. No. 652 (E) Dated 4-11-1980
42. G.S.R. No. 710(E) Dated 22-12-1980
43. G.S.R. No. 23(E) Dated 16-1-1981
44. G.S.R. No. 290 (E) Dated 13-4-1981
45. G.S.R. No. 503 (E) Dated 1-9-1981
46. G.S.R. No. 44 (E) Dated 5-2-1982
47. G.S.R. No. 57 (E) Dated 11-2-1982
48. G.S.R. No. 245 (E) Dated 11-3-1982
49. G.S.R. No. 422 (E) Dated 24-5-1982
50. G.S.R. No. 476 (E) Dated 29-6-1982.

